



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—उण्ड 3—उप-उण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. 430] नई दिल्ली, एक्टोबर 30, 1992/कार्तिक 8, 1914

No. 430] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 30, 1992/KARTIKA 8, 1914

इस भाग में भिन्न घटक वर्षा वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation**

जल-भूमि परिवहन मंत्रालय

(पत्रनं पठन)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1992

श्रधिसूचना

मा. का. नि. 837(अ) — केन्द्रीय मण्डार, महापालन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्यालय पत्रन न्यायी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुदृच्छी में मुख्यालय पत्रन न्याय कर्मचारी (सेवा निवृति के पश्चात नियोजित स्वीकार करना) (प्रथम संशोधन) विनियम, 1992 का अनुदृत करती है।

2. इस विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की हारीक फौटून होंगे।

मुख्यालय पत्रन न्याय

अनुप्रृष्ठी

मुख्यालय पत्रन कर्मचारी (अधिवार्दिता नाम सेवानिवृति प्राप्त) विनियम,
1974।

प्रमुख पत्रन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) का धारा 29 के साथ पठित धारा 124 (1) तथा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्यालय पत्रन न्याय का न्यायी मण्डल, एकदारा, मुख्यालय पत्रन कर्मचारी (अधिवार्दिता तथा सेवा निवृति प्राप्त) विनियम, 1974 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है अर्थात्

(i) मे विनियम मुख्यालय पत्रन कर्मचारी (अधिवार्दिता तथा सेवा निवृति प्राप्त) प्रथम संशोधन विनियम 1992 के नाम से जाने जाएगे।

(ii) मे विनियम उप नामक द्वारा प्रवृत्त होने जिस नामक की भारत सरकार के ग्रामपंचायत्र में प्रकाशित हिता जाएगा।

(i) (1) विनियम 6 म प्रथम हिता को छोड़ दिया जाए तथा निम्नलिखित मे प्रतिस्थापित किया जाए।

5. 50/55 को प्राप्त करने पर अधिवार्दित सेवा निवृति

इन विनियमों मे किसी भी बात के होते हुए हुए विहित प्राप्तिकारी के पास मार्बन अक्षमता, प्रमर्यादा, हुआकार और प्रदाताकार के मामले मे बाहे के किसी भी कर्मचारी भी, तीन महीने की अग्रिम नोटिस लिखित

हृष में देकर या उसके बदले बेतन तथा भत्ते का उपयोग कर, सेवा निवृत्ति करने का प्राधिकार अधिकार है।

(ii) विनियम 5 में : विनियम 5 (ii) के तीनों निम्ननिमित्त टिप्पणी 1 व 2 को जोड़ा जाए।

टिप्पणी 1. उपर्युक्त विषय पर निर्णय लेने समय, विहित प्राधिकारी निम्ननिमित्त मानदण्डों पर भी निर्णय लेगा।
पत्तन कर्मचारी।

(क) जिसकी इमानदारी संदेहास्पद;

(ख) जिसे अथवा गया गया है;

(ग) पिछले पांच साल से अमन्तोपजनक पाया गया गया है,
उपर्युक्त नियमिति के लिए विचार किया जाएगा।

टिप्पणी 2. निम्ननिमित्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

(क) उच्च पद पर जिसकी पदोन्नति पिछले पांच वर्ष के दौरान हुई;

(ख) मामले पर विचार करने की तारीख से एक वर्ष के भीतर जो सेवानिवृत्ति होने वाले हैं।

2. विनियम 7 में, विनियम 7 को छोड़ दिया जाए, तथा निम्ननिमित्त से प्रतिस्थापित किया जाए :

2. 30 वर्ष की सेवा के पश्चात् प्रतिवार्ष सेवानिवृत्ति :

विनियम 5 में उल्लिखित किसी भी बात के होने हुए साथ दिक्षिणी कर्मचारी बोर्ड की श्रेणी-III सेवा में या पहले पर हो, और बोर्ड के वित्तियों से शासित न होना हो, तो साक्षाৎ प्रक्षमता, अस्थमयना, दुर्गचार और भ्रष्टाचार के मामले में विहित प्राधिकारी वो संपूर्ण अधिकार है कि वे कर्मचारी को तीस वर्ष की सेवा समाप्त होने के पश्चात् सेवानिवृत्ति होने दें। ऐसा करने समय सक्षम प्राधिकारी को जाहिर कि वह कर्मचारी को तीन महीने से अनधिक वर्षिम नीटिस नियमित स्पष्ट से दे दे या उसके बदले उस प्रवधि का ऐनन एवं भत्ता प्राप्ति का गंदायक करें।

टिप्पणी 1. उपर्युक्त विषय पर निर्णय लेने समय, विहित प्राधिकारी निम्ननिमित्त मानदण्डों पर भी निर्णय लेगा ।—

पत्तन कर्मचारी :

(क) जिसकी ईमानदारी संदेहास्पद है;

(ख) जिसे अथवा गया गया है;

(ग) पिछले पांच साल से जिसकी सेवा रिकार्ड अमन्तोपजनक पाया गया है, उसे सेवानिवृत्ति के लिए विचार किया जाएगा।

टिप्पणी 2. निम्ननिमित्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

(क) उच्च पद पर जिसकी पदोन्नति पिछले पांच वर्ष के दौरान हुई है;

(ख) मामले पर विचार करने की तारीख से एक वर्ष के भीतर जो सेवानिवृत्ति होने वाले हैं।

गूढ़ विनियम : तथा अनुवर्ती संशोधनों की सरकारी मंजूरी तथा राजपत्र में प्रकाशन का संदर्भ :

(1) गूढ़ विनियम : केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. पीईजी (35)/74, दिनांक 4/1/75 गोवा, दमत व दोब के सरकारी राजपत्र के सीरिज III, सं. 44, दि. 30-1-75 में प्रकाशित।

(2) अनुवर्ती संशोधन :

(1) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. पीईजी (3)/15/दिनांक 2-4-75 गोवा, दमत व दोब के सरकारी राजपत्र के सीरिज III, सं. 4 दिनांक 25-9-75 में प्रकाशित।

(ii) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. : पीईजी (42)/75, दिनांक 24-12-75, गोवा, दमत व दोब के सरकारी राजपत्र के सीरिज III सं. 45, दिनांक 5-2-76 में प्रकाशित।

(iii) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. पीईजी (15)/78 घ्रेल, 1978 गोवा, दमत व दोब के सरकारी राजपत्र के सीरिज III सं. 7, दिनांक 18-5-78 में प्रकाशित।

(iv) केन्द्रीय सरकार की मंजूरी सं. : पीईजी (11)/78, दिनांक 23-5-78 गोवा, दमत व दोब के सरकारी राजपत्र के सीरिज III, सं. 12, दिनांक 22-6-78 में प्रकाशित।

v) सा. का. नि. 271 (ई) दिनांक 3-3-1987

[सं. एच - 11011/9/91 पी. ई अ] अधोक जोशी, संपूर्ण सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, 30th October, 1992

G.S.R. 837(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees superannuation and age of Retirement, (First Amendment) Regulations, 1991 made by the Board of Trustees for the Port of Mormugao and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official gazette.

MORMUGAO PORT TRUST

SCHEDULE

AMENDMENT TO MORMUGAO PORT EMPLOYEES (SUPERANNUATION AND AGE OF RETIREMENT), 1974

In exercise of the powers conferred by Section 28 read with Section 124(1) & (2) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of Port of Mormugao, hereby makes the

[भाग II--संग्रह 3(i)]

following regulations further to amend the Mormugao Port Employees' (Superannuation and Age of Retirement) Regulations, 1974, viz :

- (i) These regulations may be called the Mormugao Port Employees (Superannuation and Age of Retirement) (First Amendment) Regulations, 1992.
- (ii) They shall come into force on the date of publication in the Gazette of India.
- (1) (i) In Regulation 5. Delete para 1 and substitute by the following :

5. Compulsory Retirement after Attaining age of 50/55 years.—Notwithstanding anything contained in these regulations, the appropriate authority shall, in cases of proved inefficiency, incapacity, misconduct and corruption charges, have the absolute right to retire an employee of the Board by giving him notice of not less than three months in writing or pay allowance in lieu of such notice.

- (ii) In Regulation 5 add the following Notes 1 & 2 below regulation 5(ii) :

Note : While taking a decision on the above, the appropriate authority shall take a decision on the following criteria :

Port Employees :

- (a) Whose integrity is doubtful;
- (b) Who are found to be ineffective;
- (c) Whose service records for preceding 5 years have not been found satisfactory should be considered for retirement.

Note : Following employees shall not be considered for retirement :

- (a) Who have been promoted to a higher post during the preceding 5 years.
- (b) Who would be retiring on superannuation within a period of one year from the date of consideration of his case.

2. In Regulation 7 delete regulation 7 and substitute by the following :

7. Compulsory Retirement after 30 years service.—Notwithstanding anything contained in Regulation 5, the appropriate authority shall, in cases of proved inefficiency, incapacity, misconduct and corruption charges, have the absolute right to retire such employee, in Class III service or post who is not governed by the Board's pension regulations, after he has completed

thirty years of service by giving him notice of not less than three months in writing or pay and allowance in lieu of such notice.

Note 1 : While taking a decision on the above, the appropriate authority shall take decision on the following criteria :

Port employees :

- (a) Whose integrity is doubtful;
- (b) Who are found to be ineffective;
- (c) Whose services records for preceding 5 years have not been found satisfactory should be considered for retirement.

Note 2 : Following employees shall not be considered for retirement :

- (a) Who have been promoted to a higher post during the preceding 5 years.
- (b) Who could be retiring on superannuation within a period of one year from the date of consideration of his case.

N.B. Reference of Govt. sanction and gazette publication of Principal Regulation and subsequent amendments :

(1) Principal Regulations : Central Government sanction No. PEG(35)74 dated 4/1/75 (Published in the Official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III no. 44 dated 30-1-75).

(2) Subsequent Amendments :

(i) Central Government's sanction No. PEG(8)75 dated 2-4-75 published in the official gazette of Goa, Daman and Diu, Series III, No. 4 dated 25-4-75.

(ii) Central Government's sanction No. PEG(42)75 dated 24-12-75 (published in the Official Gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 45 dated 5-2-76).

(iii) Central Govt.'s sanction No. PEG(15)78 dated April, 1978 (published in the official gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 7 dated 18-5-78).

(iv) Central Govt's sanction No. PEG(11)78 dated 23-5-78 (Published in the official gazette of Govt. of Goa, Daman & Diu, Series III, No. 12 dated 22-6-78).

(v) G.S.R. No. 271(E) dated 3-3-1987.

[No. H-11011|9|91-PE-I]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

